

“स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल (उच्चतर माध्यमिक स्तर) की शैक्षणिक, प्रशासनिक व्यवस्था, नामांकन की स्थिति एवं शैक्षणिक उपलब्धि का समीक्षात्मक अध्ययन।”

डॉ. शशि भूषण द्विवेदी
प्राचार्य

जगरानी देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन बाराद्वार, जिला सक्ती (छ.ग.)

(ABSTRACT)

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई “स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना” का उद्देश्य समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा सुलभ कराना है। प्रस्तुत शोध में मुंगेली जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, नामांकन की वर्तमान स्थिति तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का समीक्षात्मक अध्ययन किया गया है।

यह शोध वर्णनात्मक एवं मूल्यांकनात्मक प्रवृत्ति का है। शोध हेतु आँकड़े सर्वेक्षण, साक्षात्कार और विद्यालयीय अभिलेखों के माध्यम से संकलित किए गए। अध्ययन में यह पाया गया कि विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था व्यवस्थित है परंतु शैक्षणिक संसाधनों की अनियमित-अपर्याप्त आपूर्ति व प्रशिक्षण अभाव में शैक्षिक नवाचार में कमी है। प्रशासनिक व्यवस्था संगठित है, परंतु नियमित/प्रतिनियुक्ति स्टाफ की उपलब्धता में कुछ कठिनाइयाँ हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से नामांकन में निरंतर विशेष वृद्धि देखी गई है, परंतु नामांकन का वितरण असमान है। शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक उपलब्धियों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा है, वाणिज्य जैसे विषयों में तथा राज्य स्तरीय प्रतिभागिता में सुधार की आवश्यकता बनी हुई है।

यह निष्कर्ष निकाला गया कि स्वामी आत्मानंद विद्यालयों ने वंचित समुदायों के लिए अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच को बेहतर बनाया है, परंतु शैक्षणिक नवाचार, प्रशासनिक स्थिरता, संसाधनों की निरंतरता, वित्तीय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रशिक्षण के क्षेत्रों में सतत सुधार अपेक्षित है।

मुख्य बिन्दु: स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी स्कूल, उच्चतर माध्यमिक स्तर, शैक्षणिक व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था, नामांकन, शैक्षणिक उपलब्धि, ।

प्रस्तावना :-

किसी राष्ट्र के विकास का आधार शिक्षा होती है, प्रायः शिक्षा जन्म से मृत्यु तक चलने वाली निरन्तर प्रक्रिया है, परन्तु औपचारिक रूप से शिक्षा का प्रारम्भ बालक का विद्यालय में प्रवेश से प्रारम्भ होता है। रायबर्न के अनुसार :- “शिक्षण एक ऐसा सम्बन्ध है जो छात्रों को उनकी शक्तियों के विकास में सहायता देता है।” औपचारिक शिक्षा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यह व्यक्ति में ज्ञान, कौशल का विकास कर दार्शनिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मांगों की पूर्ति करती, उसके

आचरण को सही आकार प्रदान करती है और उसे किसी व्यवसाय और उद्योग के लिये योग्य बनाती है। औपचारिक शिक्षा के अभाव में समाज विकास नहीं कर सकता है। औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत सरकार, शिक्षाविद एवं समाजसेवी संस्थाएँ इत्यादि निरन्तर यह प्रयास करते आ रहे हैं कि शिक्षा एवं शिक्षण दोनों समाज उपयोगी सिद्ध हो सके। औपचारिक शिक्षा में , शिक्षा के तीन आयामों से होकर गुजरना होता है। जो प्रायः प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर एवं उच्च स्तर की शिक्षा के रूप में चलती है।

उच्चतर माध्यमिक स्तर – माध्यमिक स्तर की शिक्षा, जो लगभग 14 वर्ष की आयु अर्थात् किशोरावस्था से प्रारम्भ होता है जिसके अंतर्गत कक्षा 9 वीं से लेकर कक्षा 12 वीं तक का अध्ययन शामिल होता है । माध्यमिक शिक्षा , प्राथमिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा स्तरों के मध्य स्थित होने के कारण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है । माध्यमिक शिक्षा राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक क्षमता को सर्वाधिक प्रभावित करती है। किसी भी राष्ट्र की मानव शक्ति का बहुत बड़ा भाग माध्यमिक शिक्षा ग्रहण करती हैं। वस्तुतः व्यावसायिक चयन, जीवन निर्वहन, आगे की उच्च शिक्षा के लिये माध्यमिक शिक्षा आधार का कार्य करती है। यही कारण है कि इसे शिक्षा रूपी जीवन की रीढ़ की हड्डी भी कहा जाता है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल—

एस. बालकृष्ण जोशी ने विद्यालय के महत्व के विषय में लिखा है:— “किसी भी राष्ट्र की प्रगति का निर्माण विधानसभाओं, न्यायालयों और फैक्ट्रियों में नहीं वरन् विद्यालयों में होता है।” छत्तीसगढ़ में भी अनेक शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी शैक्षिक संस्थाएँ हैं ,जो हिन्दी,अंग्रेजी व अन्य माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। शिक्षा सभी के लिए बेहद जरूरी है आज के जमाने में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा एक हथियार है, अच्छी शिक्षा जरूरी है। भारत में अंग्रेजी माध्यम के शिक्षा के लिए अब सभी अभिभावक तत्पर रहते हैं, सभी अभिभावकों की इच्छा होती है कि वे अपने बच्चों को अच्छे से अच्छे अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ाएं लेकिन कई बार आर्थिक बाधयताओं एवं निजी स्कूलों के मनमाने रवैये के वजह से अभिभावक ऐसा करने में नाकाम होते हैं। इन्हीं दिक्कतों को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ की सरकार ने 01 नवंबर 2020 को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना की शुरुआत की। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्थापित अंग्रेजी माध्यम स्कूल की एक श्रृंखला है।

ऐसे पालक जो कमजोर आर्थिक स्थिति के वजह से अपने बच्चों को मंहगे अंग्रेजी निजी स्कूल में शिक्षा दिलाने समर्थ नहीं थे की।स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शासकीय विद्यालय ने गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिए एक सुनहरा अवसर दिया है। जहां बच्चों को मुफ्त में राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से दिये जाने एवं छात्रों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रकार की प्रतियोगिता के काबिल बनाने के उद्देश्य से अंग्रेजी माध्यम में अध्ययन-अध्यापन को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही हैं। इस

विद्यालय में अत्याधुनिक लाइब्रेरी कम्प्यूटर और साइंसलैब स्मार्ट क्लासेस के साथ ही ऑनलाइन शिक्षा भी पूरी सुविधा उपलब्ध हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण में खेल एवं अन्य पाठ्य सहगामी व कलात्मक गतिविधियों से बच्चों के उनकी रचनात्मकता को नया आयाम देने हेतु सुविधा युक्त व्यवस्थाएं किया गया हैं।

राज्य सरकार के इस प्रयास का फायदा जिला मुख्यालयों और विकास खण्ड स्तर पर बड़ी संख्या में गरीब और कमजोर वर्ग के प्रतिभावान बच्चों को मिल रहा है, इन स्कूलों में शिक्षा एवं सह-शिक्षण गतिविधियों का बेहतर माहौल मिल रहा है, और इस वजह से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल लोकप्रिय है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल से तात्पर्य छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 23-08/2020/20-3 रायपुर दिनांक 20/05/2020 के तहत स्थापित एवं संचालित अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय से है।

शैक्षणिक व्यवस्था:- प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षणिक व्यवस्था से तात्पर्य समय-सारणी, उपलब्ध संकाय, सह-शैक्षणिक गतिविधियां, शिक्षण अधिगम संसाधनों के प्रयोग, मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रणाली से है।

प्रशासनिक व्यवस्था:- प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रशासनिक व्यवस्था से तात्पर्य संचालन समिति द्वारा प्रबंधित एवं विद्यालय की स्थापना, नियुक्ति प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन एवं वेतन भुगतान की विधि से है।

नामांकन:- प्रस्तुत शोध अध्ययन में नामांकन से तात्पर्य कक्षा 9वीं से लेकर कक्षा 12वीं तक छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया, अवधारण एवं सत्र 2020-21 से 2024-25 तक सकल पंजीयन से है।

शैक्षणिक उपलब्धि:- प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षणिक उपलब्धि से तात्पर्य छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित सत्र 2020-21 से 2023-24 तक के कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम में प्राप्त प्रतिशत से है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व (Rationale):-

- छत्तीसगढ़ में अनेक विद्यालय हिन्दी, अंग्रेजी माध्यम के है जिनमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल आदि में अध्ययन हुआ है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की स्थापना वर्ष 2020 में हुई है इसमें अभी तक अध्ययन की न्यूनता है।
- इस योजना की सफलता की वास्तविक स्थिति जानने हेतु यह आवश्यक है कि विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, नामांकन की स्थिति तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का वास्तविक मूल्यांकन किया जाये। विशेष रूप से मुंगेली जिले के संदर्भ में इस अध्ययन से नीति निर्माताओं और शिक्षा विभाग को दिशा निर्देश प्राप्त हो सकते है।

- स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छत्तीसगढ़ शासन की शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी योजना है , जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है जिससे कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक बेहतर शिक्षा पहुँच सकें। इस उद्देश्य से यह अति लोकप्रिय हुई है जहां 2020–21 में स्कूल में प्रवेश हेतु 20 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुये थे, जो कि 2022–23 में 2.76 लाख से अधिक आवेदन जमा किये गये थे। इसलिए प्रस्तुत शोध स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शैक्षिक व प्रशासनिक व्यवस्था तथा नामांकन व शैक्षिक उपलब्धि की स्थिति के अध्ययन कि आवश्यकता महसूस हुई।

अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study):—

1. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की स्थापना का अध्ययन करना।
2. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था का अध्ययन करना।
3. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की प्रशासनिक व्यवस्था का अध्ययन करना।
4. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की नामांकन की स्थिति का अध्ययन करना।
5. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

शोध प्रश्न (Reserch Questions):—

1. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की स्थापना की प्रक्रिया क्या है?
2. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था कैसी है?
3. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की प्रशासनिक व्यवस्था कैसी है?
4. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की नामांकन की स्थिति कैसी है?
5. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शैक्षिक उपलब्धि कैसी है?

अध्ययन का परिसीमन (Delimitations of the study):—

1. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल मुंगेली जिले तक परिसीमित है।
2. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल मुंगेली जिले के तीन विकासखण्ड मुंगेली, लोरमी तथा पथरिया तक परिसीमित है।
3. स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल जो कि न्यूनतम् 03 कार्यकारी वर्षों से स्थापित व संचालित हैं तक परिसीमित है।
4. यह अध्ययन केवल अंग्रेजी माध्यम के उच्चतर माध्यमिक स्तर तक सीमित है।
5. प्राप्त आंकड़ों की सत्यता संबंधित संस्थानों से प्राप्त सूचनाओं पर निर्भर करेगी।

संबंधित शोध साहित्य में किये गये अध्ययन एवं निष्कर्ष—

चौबे,साधना (2008),वाराणसी मंडल के वित्त पोषित तथा स्ववित्तपोषित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों एवं उनमें अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष निकला कि:—

वाराणसी मंडल के वित्त पोषित तथा स्ववित्तपोषित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक एवं मानवीय संसाधनों एवं उनमें अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में घनात्मक तथा सामान्य स्तर का सह संबंध है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि जिन विद्यालयों में संसाधनों की अधिकता होगी वहां के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च होगी तथा जिन विद्यालयों में इन संसाधनों की कमी होगी वहां उस विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि भी कम होगी।

कटियार,रामसेवक (2009), माध्यमिक विद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्था का समीक्षात्मक अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला कि —

- प्रश्नावली द्वारा प्राप्त प्रदत्त के अनुसार 33 प्रतिशत शासकीय विद्यालयों की वित्तीय व्यवस्था उत्तम , 51 प्रतिशत विद्यालयों की साधारण तथा 16 प्रतिशत विद्यालयों की असंतोषजनक है।
- प्राप्त प्रदत्तों के अनुसार 22 प्रतिशत शासकीय विद्यालयों में प्रयोग शालाये नहीं है तथा 21 प्रतिशत विद्यालयों में उत्तम एवं 31 प्रतिशत विद्यालयों में असंतोषजनक प्रयोगशालएं है।
- प्राप्त प्रदत्त के अनुसार 9 प्रतिशत शासकीय तथा 16 प्रतिशत अशासकीय विद्यालयों में ही दृश्य श्रव्य सामग्री उपलब्ध है।

Dubey,S. (2018). Academic achievements of students in English medium Schools.

- दूबे ने छात्रों की वार्षिक परीक्षा और बोर्ड परीक्षा के परिणामों का विश्लेषण कर यह दर्शाया कि अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के परिणाम बेहतर रहे।
- यह वर्तमान अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धियों की समीक्षा के लिए उपयोगी आधार है।

Verma,S.&Tripathi, M. (2019). Role of school administration in student academic performance.

- इस शोध में विद्यालय प्रशासन और छात्रों की उपलब्धियों के मध्य संबंध को रेखांकित किया गया। यह पाया गया कि—
- संगठित और सक्रिय प्रशासनिक व्यवस्था छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।
- यह निष्कर्ष वर्तमान अध्ययन में प्रशासनिक व्यवस्था के महत्व को स्थापित करता है।

Sharma,R. (2020). A study on the effectiveness of government English medium schools in rural India.

- शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों में अंग्रेजी माध्यम शासकीय विद्यालयों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया। उन्होंने शिक्षण विधियों, संसाधनों और परीक्षा परिणामों की तुलना करते हुए निष्कर्ष निकाला कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- यह अध्ययन वर्तमान शोध के लिए इस कारण प्रासंगिक है कि यह सरकारी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की सकारात्मक प्रगति को स्पष्ट करता है।

गुप्ता, डी (2021), छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों की प्रशासनिक संरचना और चुनौतियाँ।

- शासकीय स्कूलों की आंतरिक प्रशासनिक समस्याओं का विवरण इस अध्ययन में निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि—
- विद्यालय स्तर पर नेतृत्व की कमी, बजट नियोजन और शिक्षक समायोजन की समस्या स्पष्ट पाई गई।

देवांगन, पी (2023) छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का विश्लेषण।

- ग्रामीण सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता की स्थितिका विश्लेषण किया और यह पाया कि—
- शिक्षक अनुपलब्धता और डिजिटल संसाधनों की कमी एक बड़ी बाधा है।

रॉय, के (2023) मुंगेली जिले में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति का अध्ययन।

- मुंगेली जिले के ग्रामीण विद्यालयों में नामांकन, ड्रॉपआउट और परीक्षा परिणामों का विश्लेषण किया और यह पाया कि—
- मुंगेली जिले के विद्यालयों में ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी चुनौतियाँ शेष हैं।

शोध विधि :-

प्रस्तुत शोध कार्य में समस्या के अध्ययन के लिए शोध प्रश्नों की प्रकृति के अनुसार मुख्य रूप से सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श—

प्रस्तुत अध्ययन में मुंगेली जिले में स्थित 6 स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में से जिले के मुंगेली, लोरमी, पथरिया विकासखंडों में स्थित 1-1 स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल जो कि न्युनतम 03 कार्यकारी सत्रों ;2020-21 एवं 2021-22, से स्थापित एवं संचालित हैं का चयन किया गया है।

प्रयुक्त चर :-

गुणात्मक शोध होने के कारण किसी प्रकार का चर उपस्थित नहीं है।

प्रयुक्त उपकरण :-

- शोधकर्ता द्वारा स्वामी आत्मानंद शाकसीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शैक्षणिक, प्रशासनिक व्यवस्था , नामांकन की स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि हेतु स्वनिर्मित साक्षात्कार प्रश्नावली एवं अवलोकन पत्र का निर्माण किया गया है।
- साक्षात्कार प्रश्नावली में कुल 60 प्रश्न हैं इसे छः क्षेत्रों में बांटा गया है जिसका विवरण इस प्रकार है—
 1. अधोसंरचना एवं भौतिक संसाधन
 2. स्टॉफ एवं मानवीय संसाधनों की जानकारी
 3. शैक्षणिक गतिविधियां एवं निरीक्षण
 4. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया
 5. सह शैक्षणिक गतिविधियाँ
 6. वित्तीय जानकारी।
- अवलोकन पत्र में 30 प्रश्नों को शामिल किया गया है इसे उद्देश्य के आधार पर चार क्षेत्रों में बांटा गया है जिसका विवरण इस प्रकार है—
 - 1 शैक्षणिक व्यवस्था
 2. प्रशासनिक व्यवस्था
 3. नामांकन की स्थिति
 - 4 .शैक्षणिक उपलब्धि

प्रदत्त विश्लेषण की प्रक्रिया—

शोध अध्ययन से प्रदत्तों की प्रकृति के अनुसार प्रदत्तों का गुणात्मक विश्लेषण एवं व्याख्या प्रतिशत एवं औसत के आधार पर किया गया है । प्रदत्तों के विश्लेषण एवं व्याख्या के आधार पर सारिणी व आरेख निर्मित किये गए हैं ।

प्रदत्तों का विश्लेषण ,व्याख्या एवं निष्कर्ष:—

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध में समस्या के अध्ययन के लिए शोधकर्ता द्वारा मुंगेली जिले मे स्थित तीनों विकास खण्ड मुंगेली, लोरमी, पथरिया से एक-एक स्कूल का सर्वेक्षण कर साक्षात्कार प्रश्नावली, अवलोकन एवं विद्यालयीय दस्तावेजों के विश्लेषण के आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया गया और इसके आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर शोध प्रश्नों के निष्कर्ष निकाले गए जो निम्नलिखित हैं—

शोध प्रश्न 1 —

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्थापना की प्रक्रिया क्या है?

प्रस्तुत शोध प्रश्न के विश्लेषण हेतु शोधकर्ता द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के नियमावली, विभिन्न शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्रों का अध्ययन करने के बाद स्थापना की प्रक्रिया का वर्णन को विश्लेषित किया गया जो निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर है:-

व्याख्या –

स्थापना की प्रक्रिया:-

- राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा देने की आवश्यकता को पहचाना। छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की स्थापना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत चरण बद्ध तरीके से की गई।
- राज्य सरकार के निर्देश के प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा का अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक 2.2/2020 दिनांक 17.02.2020 एवं पत्र क्रमांक 5.3/2020 दिनांक 04.03.2020 तथा संचालक एस.सी.ई.आर.टी. का पत्र क्रमांक 1037 दिनांक 29.04.2020 के माध्यम से जिलों में अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय प्रारम्भ करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था।
- उक्त प्रस्ताव के संदर्भ में लोक शिक्षक संचालनालय छत्तीसगढ़ के संचालक महोदय द्वारा समस्त कलेक्टरों को पत्र क्र./योजना/अंग्रेजी माध्यम/2020/105 नया रायपुर दिनांक 14/05/2020 के माध्यम से अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय के अधोसंरचना विकास व संचालन हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में पंजीयन एवं गठन करने हेतु 30 मई 2020 के पूर्व अनुरोध किया गया।
- उक्त पत्र के परिचालन में मुंगेली जिला में भी 06 सदस्यीय समिति को सोसाइटी से पंजीकृत किया गया।
- छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर के आदेश क्र. एफ 23-08/2020/20-03 रायपुर दिनांक 20.05.2020 के तहत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय योजना की शुरुआत की गई।
- 03 जुलाई 2020 को प्रदेश के पहले स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का उद्घाटन किया गया था योजना की शुरुआत 01 नवम्बर 2020 को राज्य निर्माण दिवस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की थी इस प्रकार यह योजना शैक्षणिक सत्र 2020-21 से प्रारम्भ की गई है।

निष्कर्ष 01-

उपर्युक्त वर्णित कथनानुसार स्थापना की प्रक्रिया के माध्यम से छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की स्थापना की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना था।

शोध प्रश्न 2 –

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था कैसी है?

प्रस्तुत शोध प्रश्न के संदर्भ में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शैक्षणिक व्यवस्था की जानकारी हेतु चयनित तीनों विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों से साक्षात्कार प्रश्नावली का उपयोग किया गया एवं विद्यालयीन दस्तावेज के विश्लेषण के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई जो इस प्रकार से है:-

सारिणी क्रमांक 4.01

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के समय-सारिणी की जानकारी
(उच्चतर माध्यमिक स्तर)

क्र.	विद्यालय	समय सारिणी निर्मित/ अनिर्मित	शैक्षणिक कार्य का भारांकन (6 कार्य दिवस के आधार पर)		सह-शैक्षणिक कार्यका भारांकन (6 कार्य दिवस के आधार पर)				
			सैद्धांतिक	प्रायोगिक	स्टेम लेब	कम्प्यूटर	खेल	लेखन	गतिविधि
1	मुंगेली	निर्मित	06	03	03	02	02	01	02
2	लोरमी	निर्मित	06	03	0	02	02	01	02
3	पथरिया	निर्मित	06	03	0	01	02	01	02
4	औसत प्रतिशत		100:	50:	16:	27:	33:	16:	33:
5	सकल औसत :		75:		25:				

व्याख्या एवं विश्लेषण-

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.1 ' से ज्ञात होता है कि सतप्रतिशत विद्यालयों में समय-सारिणी निर्मित है। एक सप्ताह में 06 कार्य दिवसों की संख्या के आधार पर शैक्षणिक गतिविधि में सैद्धांतिक विषय अध्यापन में औसत 100 प्रतिशत एवं प्रायोगिक कार्यों में 50 प्रतिशत भारांकन दिया गया है। इस प्रकार दोनों का सकल औसत का प्रतिशत 75 प्रतिशत होगा, इसी प्रकार सह -शैक्षणिक गतिविधियों में स्टेम लैब-16, कम्प्यूटर-27, खेल-33, लेखन-16 व अन्य गतिविधि को 33 प्रतिशत भारांकन दिया गया है, इस प्रकार औसत 25 प्रतिशत भारांकन समय-सारिणी में दिया गया है।

निष्कर्ष 02—

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में सतप्रतिशत समय—सारिणी निर्मित है एवं समय—सारिणी में 75 प्रतिशत भारांकन शैक्षणिक कार्यों तथा 25 प्रतिशत भारांकन सह—शैक्षणिक कार्यों को दिया गया है।

सारिणी क्रमांक 4.02

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय में उपलब्ध संकाय का प्रतिशत (उच्चतर माध्यमिक स्तर पर)

स.क्र.	उपलब्ध संकाय	मुंगेली	लोरमी	पथरिया	प्रतिशत
01	कला	नहीं	नहीं	नहीं	0 :
02	वाणिज्य	हां	हां	हां	100:
03	जीवविज्ञान	हां	हां	हां	100:
04	गणित	हां	हां	हां	100:
05	कृषि	नहीं	नहीं	नहीं	0 :

व्याख्या:—

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.02 से ज्ञात होता है कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालयों में गणित, जीवविज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की उपलब्धता 100 प्रतिशत है, जबकि कला एवं कृषि संकाय की उपलब्धता 0 प्रतिशत है।

निष्कर्ष 03—

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम के सतप्रतिशत विद्यालयों में गणित, जीवविज्ञान, एवं वाणिज्य संकाय उपलब्ध है, जबकि कला एवं कृषि संकाय किसी भी विद्यालय में उपलब्ध नहीं है।

सारिणी क्रमांक 4.03

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालयों में शिक्षण अधिगम संसाधन के प्रयोग की स्थिति का प्रतिशत

स.क्र.	विद्यालय	आई.सी. टी. लैब	स्मार्ट क्लास	प्रोजेक्टर	टी.एल.एम.	प्रतिशत
01	मुंगेली	हां	हां	हां	हां	100:
02	लोरमी	हां	नहीं	हां	हां	75:
03	पथरिया	नहीं	नहीं	हां	नहीं	25:
	प्रतिशत	67:	33:	100:	67:	67:

व्याख्या एवं विश्लेषण:-

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.03 से ज्ञात होता है कि चयनित विद्यालयों में शिक्षण अधिगम संसाधनों का मुंगेली में 100 प्रतिशत, लोरमी में 75 प्रतिशत व पथरिया में 25 प्रतिशत प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार तीनों विद्यालयों का औसत प्रतिशत 67 प्रतिशत ज्ञात होता है। आई.सी.टी. का 66, स्मार्ट क्लास का 33 , प्रोजेक्टर 100, व टी.एल.एम. 33 प्रतिशत प्रयोग किया जाता है।

निष्कर्ष 04-

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षण हेतु औसत 67 प्रतिशत, शिक्षण अधिगम संसाधनों का प्रयोग किया जाता है। जिसमें प्रोजेक्टर का उपयोग सभी विद्यालयों में होता है।

सारिणी क्रमांक 4.04

स्वामी आत्मानंद विद्यालय की मूल्यांकन, परीक्षा पद्धति की जानकारी

स.क्र.	मूल्यांकन/परीक्षा		माह जिसमें परीक्षा आयोजित होता है
	आंतरिक	बाह्य	
1	UNIT TEST	-----	जुलाई
2	FA1	-----	अगस्त
3	FA2	-----	सितम्बर
4	UNIT TEST	-----	अक्टूबर
5	UNIT TEST	-----	नवम्बर
6	-----	SA1	दिसम्बर
7	FA3	-----	जनवरी
8	UNIT TEST	-----	फरवरी
9	-----	SA2	मार्च-अप्रैल

व्याख्या:—

उपर्युक्त सारिणी क्र. 4.04 के अनुसार आत्मानंद विद्यालयों में FA 1, FA 2, SA 1, FA 3, SA 2 एवं इकाई मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के अनुरूप ग्रेडिंग पद्धति के साथ मूल्यांकन कार्य किया जाता है। अंत में SA 2 परीक्षा के बाद मार्कसीट/ग्रेड कार्ड विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है।

निष्कर्ष:—05

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार की परीक्षा का आयोजन तथा रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन किया जाता है।

सारिणी क्र.-4.05

सह शैक्षणिक गतिविधियों में उपलब्धि का प्रतिशत

क्र.	कुल दर्ज	जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी	कुल दर्ज संख्या का प्रतिशत	संभाग स्तर पर चयनित प्रतिभागी	कुल दर्ज संख्या का प्रतिशत	राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी	कुल दर्ज संख्या का प्रतिशत
1	2149	150	7:	72	3:	33	1.5:

व्याख्या:-

उपर्युक्त सारिणी क्र .4.05 के अनुसार स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में सह शैक्षणिक गतिविधियों, निबंध लेखन, वाद-विवाद एवं विभिन्न खेल स्पर्धाओं में 2020-21 से 2024-25 तक कुल दर्ज संख्या 2149 में से जिला स्तर पर 150 प्रतिभागियों, कुल दर्ज संख्या का 7 प्रतिशत, संभाग स्तर पर 72 प्रतिभागियों, कुल दर्ज संख्या का 3 प्रतिशत तथा राज्य स्तर पर 33 प्रतिभागियों, कुल दर्ज संख्या का 1.5 प्रतिशत का चयन हुआ है।

निष्कर्ष:-06

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सह-शैक्षणिक गतिविधियों में 1.5 प्रतिशत राज्य स्तर पर , 3 प्रतिशत संभाग स्तर पर एवं 7 प्रतिशत जिला स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभागिता निभाई ।

शोध प्रश्न 3 –

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रशासनिक व्यवस्था कैसी है?

सारिणी क्रमांक 4.06

अधो-संरचना एवं संसाधनों की स्थिति एवं उपलब्धता प्रतिषत

स. क्र.	घटक / उपघटक	मुंगेली			लोरमी			पथरिया			प्रतिशत
		उपलब्धता / अनुपलब्धता	संख्या	स्थिति	उपलब्ध / अनुपलब्ध	संख्या	स्थिति	उपलब्ध / अनुपलब्ध	संख्या	स्थिति	
1	विद्यालय भवन	हां	01	पूर्ण / उत्तम	हां	01	निर्माणाधीन / मध्यम	हां	01	निर्माणाधीन / मध्यम	67 :
2	कुल कक्षा	पर्याप्त	25	उत्तम	पर्याप्त	20	मध्यम	अपर्याप्त	10	मध्यम	67 :
3	प्राचार्य कक्ष	हां	01	उत्तम	हां	01	उत्तम	हां	01	उत्तम	100 :
4	स्टाफ रुम	हां	03	उत्तम	हां	01	उत्तम	हां	02	औसत	100 :
5	कार्यालय कक्ष	हां	01	उत्तम	हां	01	उत्तम	हां	01	औसत	100 :
6	कम्प्यूटर कक्ष	हां	02	उत्तम	हां	01	उत्तम	नहीं	0	—	67 :
7	प्रयोगशाला	हां	05	उत्तम	हां	03	उत्तम	हां	03	उत्तम	100 :
8	पुस्तकालय	हां	01	उत्तम	हां	01	उत्तम	हां	01	उत्तम	100 :
9	सभागार	हां	01	औसत	हां	निर्माणाधीन	—	नहीं	0	—	33 :
10	शौचालय	हां	10	उत्तम	हां	07	उत्तम	हां	07	उत्तम	100 :
11	खेल मैदान	हां	01	आउटडोर	हां	01	आउटडोर	हां	01	आउटडोर	100 :
12	खेल सामाग्री	हां	पर्याप्त	उत्तम	हां	पर्याप्त	मध्यम	हां	अपर्याप्त	मध्यम	67 :
13	फर्नीचर	हां	पर्याप्त	उत्तम	हां	पर्याप्त	उत्तम	हां	पर्याप्त	उत्तम	100 :
14	छात्रावास	नहीं	—	—	नहीं	—	—	नहीं	—	—	0 :
15	पेयजल	हां	03	उत्तम	हां	02	उत्तम	हां	01	उत्तम	100 :
16	सी.सी.टी. व्ही.	हां	—	—	नहीं	—	—	नहीं	—	—	33 :
17	एम.डी.एम. कक्ष	हां	01	मध्यम	हां	01	मध्यम	नहीं	—	—	67 :
18	मंच	हां	01	मध्यम	हां	01	मध्यम	नहीं	—	—	67 :
19	विद्युत	हां	—	—	हां	—	—	हां	—	—	100 :
20	इंटरनेट	हां	—	—	हां	—	—	नहीं	—	—	67 :

व्याख्या –

उपर्युक्त सारिणी क्र. 4.06 के अनुसार चयनित तीनो स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में उपलब्ध अधोसंरचना एवं भौतिक संसाधनों में प्राचार्य कक्ष, स्टाफ रुम, कार्यालय कक्ष, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल मैदान, फर्नीचर, शौचालय, पेयजल व विद्युत व्यवस्था इस तरह 10 घटकों की तीनो विद्यालयों में उपलब्धता 100: हैं एवं उत्तम स्थिति में हैं। विद्यालय भवन, कम्प्यूटर कक्ष, विषय व कक्षा अनुरूप कमरों की संख्या, मंच, खेल सामग्री, बाउंड्रीवाल व इंटरनेट इस तरह 07 घटकों की उपलब्धता 67: है एवं मध्यम स्थिति में हैं।

सभागार व सी.सी.टी.वी. इस तरह 02 घटकों की उपलब्धता 33: है एवं औसत स्थिति में हैं। इस प्रकार उत्तम स्थिति का स्कोर 1000, मध्यम स्थिति का स्कोर 469 व औसत स्थिति का स्कोर 66 है। इस प्रकार कुल स्कोर 1535 व कुल घटक 19 है इनका औसत प्रतिशत 80.8 प्राप्त हो रहा है। छात्रावास की सुविधा की उपलब्धता 0: है।

निष्कर्ष 07—

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में अधोसंरचना एवं भौतिक संसाधनों की उपलब्धता 80.8: है, किसी भी विद्यालय में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

सारिणी क्रमांक 4.07

मानवीय संसाधनों की स्थिति की जानकारी

क्र.	पद का नाम	स्वीकृत पद			कार्यरत पद			रिक्त पद			प्रतिशत कार्यरत पद
		मुंगेली	लोरमी	पथरिया	मुंगेली	लोरमी	पथरिया	मुंगेली	लोरमी	पथरिया	
01	प्राचार्य	01	01	01	01	01	01	0	0	0	100 :
02	व्याख्याता	10	10	10	10	09	08	0	01	02	90 :
03	कम्प्यूटर शिक्षक	01	01	01	01	01	01	0	0	0	100 :
04	पी.टी.आई.	01	01	01	01	01	01	0	0	0	100 :
05	लैब	03	03	03	02	03	03	01	0	0	89 :
06	लाइब्रेरियन	01	01	01	0	01	01	01	0	0	89 :
07	ए.जी.-2	01	01	01	01	01	0	0	0	01	67 :
08	ए.जी.-3	01	01	01	01	01	01	0	0	0	100 :
09	पीयुन	04	04	04	04	04	03	0	0	01	92 :
10	वाचमेन	01	01	01	01	0	0	0	01	01	33 :
11	स्वीपर	02	02	02	02	02	02	0	0	0	100 :
12	कुल योग	26	26	26	24	24	21	02	02	05	87.5:

व्याख्या एवं विश्लेषण :-

उपर्युक्त तालिका 4.07 के अनुसार मुंगेली जिला के तीनो विकासखण्डों में स्वामी आत्मानंद के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 26-26 पदस्वीकृत हैं, जिसमें से 16 शैक्षणिक पद तीनों विद्यालयों में प्राचार्य के 1-1 पद , व्याख्याताओं के 10-10 पद, प्रयोगशाला सहायक के 3-3 पद, कम्प्यूटर टीचर व खेल शिक्षक के 1-1 पद स्वीकृत हैं एवं गैर शैक्षणिक पद 10-10 स्वीकृत हैं।

सभी विद्यालयों में प्राचार्य सहित कुल 78 पद स्वीकृत है जिनमें 48 पद शैक्षणिक हैं, इसमें 44 अर्थात 92: पदों में कार्यरत व 04 पद अर्थात 08: पद रिक्त है। इसी प्रकार 30 गैर शैक्षणिक पद स्वीकृत हैं, जिसमें 25 पदों में अर्थात 83: कार्यरत व 05 पद अर्थात 17: रिक्त हैं। इस प्रकार कुल 69 पदों में कार्यरत हैं व सभी मिलाकर 09 पद रिक्त है। इस प्रकार कुल स्वीकृत पद के 87.5: कार्यरत व 12.5: रिक्त पद हैं ।

निष्कर्ष 08—

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शैक्षणिक पदों में 92: एवं गैर शैक्षणिक पदों में 83: कर्मचारी कार्यरत है, इसी प्रकार शैक्षणिक पदों में 08: एवं गैर-शैक्षणिक पदों में 17: पद रिक्त है। इस प्रकार कुल स्वीकृत पदों में 87.5: कार्यरत व 12.5: रिक्त पद हैं।

सारिणी क्रमांक 4.08

स्वामी आत्मानंद विद्यालय की नियुक्ति प्रकार का प्रतिशत

कुल कार्यरत पद			योग	संविदा			योग	प्रतिनियुक्ति			योग
मुंगेली	लोरमी	पथरिया		मुंगेली	लोरमी	पथरिया		मुंगेली	लोरमी	पथरिया	
24	24	21	69	23	20	20	63	01	04	01	06

व्याख्या व विश्लेषण—

प्राचार्य का पद प्रतिनियुक्ति हेतु आरक्षित रहता है। व्याख्याता का पद प्रतिनियुक्ति से नहीं मिलने पर संविदा द्वारा भरा जाता है।

अन्य गैर-शैक्षणिक स्टाफ भी प्रतिनियुक्ति या संविदा के माध्यम से नियुक्त किये जाते हैं।

उपर्युक्त सारिणी क्र. 4.08 के अनुसार मुंगेली जिला के तीनो विकासखण्डों में स्वामी आत्मानंद के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्राचार्य एवं स्टॉफ की नियुक्ति हेतु कुल 69 पदों में से 06 पद प्रतिनियुक्ति से जिनमें तीनों विद्यालयों के प्राचार्य शामिल हैं एवं 63 पद संविदा नियुक्ति से लिया गया है। इस प्रकार कुल कार्यरत पद का 91.3: संविदा से तथा 8.7: प्रति-नियुक्ति से भरे गए हैं।

निष्कर्ष 09—

स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कुल कार्यरत पद का 91.3 : संविदा तथा 8.7: पद प्रति-नियुक्ति से भरे गए हैं।

सारिणी क्रमांक 4.09

स्वामी आत्मानंद विद्यालय की वित्तीय प्रबंधनकी स्थिति व जानकारी—

स. क्र.	वित्तीय बिन्दु	विवरण
1	वित्तीय आय-व्यय	1.विद्यालय में किसी भी प्रकार के फण्ड उपलब्ध नहीं है। 2.विद्यालय को आकस्मिक नीधि के रूप में 5 लाख समग्र शिक्षा के माध्यम से प्राप्त होता है। 3.विद्यालय में अधोसंरचना विकास हेतु सभी प्रकार के सामग्री व संसाधन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं। विद्यालय में आवश्यक खर्च हेतु जिला शिक्षा अधिकारी से सहमति आवश्यक है।
2	सरकारी अनुदान	D.M.F.फंड के माध्यम से।
3	वित्तीय निगरानी	जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली के द्वारा आय-व्यय की निगरानी की जाती है।
4	वेतन भुगतान की विधि	1.शिक्षा विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को भुगतान जारी किया जाता है। 2.प्राचार्य व जिला शिक्षा अधिकारी का संयुक्त खाता प्रत्येक विद्यालय में है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उक्त खाते में राशि अंतरित की जाती है फिर सभी कर्मचारियों के व्यक्तिगत खाते में राशि अंतरण किया जाता है।

व्याख्या —

उपर्युक्त सारिणी क्र .4.09 के अनुसार स्पष्ट है कि स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को आकस्मिक नीधि के रूप में 5 लाख समग्र शिक्षा के माध्यम से प्राप्त होता है। विद्यालय में आवश्यक खर्च हेतु जिला शिक्षा अधिकारी से सहमति आवश्यक है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा वेतन भुगतान एक मुश्त प्राचार्य के खाता के माध्यम से होता है।

निष्कर्ष 10—

स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वेतन भुगतान एलॉटमेंट विधि से होता है, संपूर्ण आय-व्यय जिला शिक्षा अधिकारी की निगरानी में होता है।

शोध प्रश्न 4—

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की नामांकन की स्थिति कैसी है?

सारिणी क्र.4.10
प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी

सं.क्र.	प्रवेश प्रक्रिया के बिन्दु	विवरण
1	प्रवेश हेतु आवेदन करने की आरंभ/अंतिम तिथि	प्रत्येक सत्र 10 अप्रैल से आवेदन करने की तिथि आरंभ होती है तथा 05 मई अंतिम तिथि होती है।
2	प्रवेश हेतु आवेदन/ पंजीयन करने का माध्यम	ऑनलाईन फार्म के माध्यम से प्रवेश हेतु आवेदन/पंजीयन किया जाता है।
3	आवेदन/पंजीयन करने हेतु लिंक-	cgschool.in/saems
4	चयन प्रक्रिया की विधि	मैरिट के आधार पर/अधिक फार्म आने पर लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाता है।
5	सीटों की उपलब्धता तथा आरक्षण	प्रत्येक कक्षा में 50-50 सीट उपलब्ध, जिसमें 50 प्रतिशत सीट लड़कियों हेतु, 25 प्रतिशत सीट गरीबी रेखा से नीचे के छात्रों हेतु एवं 25 प्रतिशत सीटमुक्त होता है।
6	प्रवेश प्रक्रिया समय-सारिणी	प्रथम चरण -लॉटरी के माध्यम से सीट आबंटन एवं प्रवेश प्रक्रिया-06 से 30 मई तक द्वितीय चरण-आवेदन/पंजीयन-20 से 30 जून तक,दस्तावेज जांच-01 से 08 जुलाई तक, लॉटरी व सीट आबंटन-14 व 15 जुलाई, प्रवेश प्रक्रिया-18 जुलाई तक

निष्कर्ष 11-

उपर्युक्त सारिणी क्र .4.10 के अनुसार शासन द्वारा निर्धारित नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया अनुसार स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में मेरिट व लॉटरी विधि से प्रवेश लिया जाता है ।

सारिणी क्र.4.11

वर्षवार कुल नामांकन की स्थिति

सं. क्र.	विद्यालय	सत्र					2020से 2025तक सकलनामांकन	सकलनामांकन प्रतिशत में
		2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25		
1	मुंगेली	101	232	302	253	268	1156	54
2	लोरमी	0	78	132	149	166	525	24
3	पथरिया	0	48	102	144	174	468	22
	कुल योग	101	358	536	546	608	2149	100

विश्लेषण व व्याख्या—

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.11 से ज्ञात होता है कि चयनित तीनों विद्यालयों में सकल नामांकन सत्र 2020-21 से सत्र 2024-25 तक क्रमशः 101, 358, 536, 546 एवं 608 है यह सकल नामांकन में प्रतिवर्ष बढ़ोत्तरी को प्रदर्शित करता है ।

निष्कर्ष 12—

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में नामांकन में प्रतिवर्ष बढ़ोत्तरी हो रही है।

विश्लेषण व व्याख्या—

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.11 से ज्ञात होता है कि चयनित विद्यालयों में सत्र 2020-21 से सत्र 2024-25 तक कुल दर्ज संख्या क्रमशः 1156, 525, एवं 468 है जो कि सकल दर्ज संख्या 2149 के 54 प्रतिशत, 24 प्रतिशत एवं 22 प्रतिशत है, यह प्रदर्शित करता है कि मुंगेली स्थित विद्यालय की कुल दर्ज संख्या के लगभग बराबर लोरमी व पथरिया स्थित दोनों विद्यालयों के दर्ज संख्या का योग है ।

निष्कर्ष 13— स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में नामांकन प्रतिशत में असमान वितरण है ।

सारिणी क्र.4.12

कुल शाला त्यागी की स्थिति, सत्र 2020 से 2025 तक

सं.क्र.	सकल नामांकन	सकल शाला त्यागी	प्रतिशत में
1	2149	88	4

विश्लेषण व व्याख्या—

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.12 से ज्ञात होता है कि चयनित तीनों विद्यालयों में सत्र 2020–21 से सत्र 2024–25 तक सकल नामांकन की संख्या 2149 तथा शाला त्यागी की संख्या 88 है , यह सकल नामांकन का लगभग 4 प्रतिशत के बराबर है ।

निष्कर्ष 14—

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में शाला त्यागी विद्यार्थियों का दर 4 प्रतिशत है

शोध प्रश्न 5—

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शैक्षणिक उपलब्धि कैसी है?

सारिणी क्र. 4.13

बोर्ड परीक्षा परिणाम वर्षवार : (प्रतिशत) में

स.क्र.	सत्र	कक्षा	मुंगेली	लोरमी	पथरिया	औसत प्रतिशत
1	2020–21	10वी	100	—	—	100
		12वी	—	—	—	—
2	2021–22	10वी	97.5	100	100	99.2
		12वी	91.1	—	—	91.1
3	2022–23	10वी	88.7	87.5	91	89
		12वी	84.8	93.7	—	89.2
4	2023–24	10वी	93	97.3	91.4	93.9
		12वी	100	100	87.6	95.8

विश्लेषण व व्याख्या—

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 4.13 एवं आरेख क्रमांक 4.08 से ज्ञात होता है कि चयनित तीनों विद्यालयों में सत्र 2020–21 से सत्र 2023–24 तक सत्र वार कक्षा 10वीं का औसत परीक्षा परिणाम का प्रतिशत में क्रमशः 100 , 99.2 , 89 , 93.9 प्रतिशत है एवं सत्र 2021 से 2023–24 तक कक्षा 12 वीं का औसत परिणाम प्रतिशत में क्रमशः 91.1 , 89.2 व 95.8 प्रतिशत है। इस प्रकार सत्र 2021 से 2024 तक सकल औसत प्रतिशत कक्षा 10 वीं का 94.03 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वीं का 92.03 प्रतिशत ज्ञात होता है

निष्कर्ष 15—

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के बोर्ड कक्षा के सत्र 2021–22 से 2023–24 तक औसत परिणाम कक्षा 10वीं का 94.03 : है तथा 12वीं कक्षा का औसत परिणाम 92.03 : है।

संदर्भ—ग्रंथ सूची

- एण्डरसन लोरी एफ. तथा हेन्डरिक्सन एम.जे. (2007) टीचर नॉलेज रेंटिंग ऑफ कम्पीटेन्सी इम्पोर्टेन्स एण्ड आब्जर्व्ड मैनेजमेंट कम्पीटेन्सीज जर्नल आर्टिकल रिपोर्ट रिसर्च ई.आर.टी.सी. वेब पोर्टल, पृष्ठ 142
- एक्का नीलिमा (2005) के लघुषोध “ सर्वशिक्षा अभियान द्वारा उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण अधिगम सामग्री हेतु पदतत्त शिक्षक अनुदान राशि की उपयोगिता का छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का विषलेणात्मक अध्ययन”
- ए.के.मौर्या (1996) ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स रिलेशनसिप बिटवीन सोषियो इकोनामिक स्टेटस एण्ड जॉब सैटिस्फैक्शन (Sixth) सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली पृष्ठ—1523
- एन.के.पोरवाल (1980): पर्सनलिटी कोरिलेट्स ऑफ जॉब सर्टिसफाइड हायर सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स पी.एच.डी. साइको आगरा एम.बी. बुच थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली, पृष्ठ—832
- एट्रीया,जे.एस, (2009): ने महाविद्यालय स्तर के शिक्षको की शिक्षण प्रभावशीलता तथा उनका शिक्षक मूल्यों और कार्य संतुष्टि के बीच संबंध का अध्ययन एम.बी.बुच. एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली पृष्ठ—2150
- बुच एम.बी. फिफथ सर्वे आफ एजुकेशनल रिसर्च 1988–92 वाल्युम—।। एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली 2000 पृष्ठ 1454
- मथुरा शारदा (1988) द एटिटुड ऑफ टीचर्स ट्वर्डस क्रिएटिव लरनिंग एण्ड टीचिंग पी.एच.डी.एजुकेशन आगरा युनीवर्सिटी आगरा 1988.
- चन्द्रा, कृष्णकुमार (2017), माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता एवं संसाधनों की उपलब्धता में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति (एस.एम.डी.सी.) की भागीदारी का अध्ययन।
- चन्द्रा,महावीर (2015) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की प्रभावशीलता का समीक्षात्मकता अध्ययन (मानवीय एवं भौतिक संसाधनो के संदर्भ में)

कपिल,डॉ.एच.के (2008) सांख्यिकी केमूल तत्व विनोद पुस्तक मंदिर आगरा,पेज 218–221.

कौशिक पिनाक दत्त (2007) के लघुशोध "सर्वशिक्षा अभियान के संदर्भ में शिक्षको की अध्यापन प्रभावशीलता का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन में—

कार्न हाउजेन (1965): मेण्टल हेल्थ ऑफ द इण्डास्ट्रियल वर्कर न्यूयार्क जौनविका एण्ड सन्स एम.बी.बुच फर्स्ट सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन पृष्ठ—1564

कालरा, बी. (1978) विभिन्न मानसिक एवं सामाजिक आर्थिक स्तर वाले बालकों से नैतिक निर्णय के स्तर का अध्ययन उद्घृत एम.वी.बुच, थर्ड सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन, एनसीईआरटी,नई दिल्ली 1918–83।

कुमार रवि (2008): स्नातक स्तरीय महाविद्यालयों में कार्यरत स्थायी एवं अस्थायी प्रवक्ताओं के तनाव निराश एवं कृत्य-संतोश का तुलनात्मक अध्ययन पी.ए-एच.डी. (शिक्षा) सी.एम.जे.एम.वि.वि. कानपुर (2008)।

कुमार रजनीश (2009), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश शिक्षा बोर्ड के माध्यमिक स्तरीय छात्रों के तनाव का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा चिंतन शोध पत्रिका अप्रैल-जून 2009 वर्ष-8, अंक-30।

कुलश्रेष्ठ,डॉ.एस.पी. (2010) शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, पेज 176, 183.

माहेश्वरी पी. (2002): कक्षा प्रभावशाली एवं अप्रभावशाली शिक्षको की टमटइंस प्दजमतंबजपवद का अध्ययन पी.एच.डी. थीसिस जोधपुर यूनिवर्सिटी पृष्ठ 58

मोहम्मद, केडी (2012) स्ववित्त पोषित एवं अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको की शिक्षण के प्रति जवाबदेही का तुलनात्मक अध्ययन कवितांजलि वर्ष 4, अंक 6,फरवरी 2015।

मोनल जे.एस. (1964) : इण्डियन साइंस आफ एजुकेशन रिसर्च यूरेशिया पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली पृष्ठ-159

मोनल, जे.एस.(1964) : इण्डियन साइंस आफ एजुकेशन रिसर्च यूरेशिया पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

मालाकार, उदय सिंह (2008) पाठ्य सहगामी क्रियाओं के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिक उपलब्धि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

मिश्रा विकास (2006): अध्यापको तथा अध्यापिकाओं की अध्यापन कुशलता का तुलनात्मक अध्ययन (सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय कानपुर) पृष्ठ-1359

मिश्रा, आत्मानंद (1998): शिक्षण पद्धतिया यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन बी-137 कर्मपुरा, नई दिल्ली पृष्ठ-159.शंकर बी. (2007): ने माध्यमिक स्तर के शिक्षको की कार्य संतुष्टि का शिक्षक दायित्व बोध तथा विद्यालय वातावरण के साथ संबंध का अध्ययन पी.एच.डी. (शिक्षा) निमस वि.वि.जयपुर।

पाण्डेय, एल.के.(1997) ने सामान्य एवं विकलांग छात्र-छात्राओं के सामाजिक, आर्थिक स्थित, आत्मबोध एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन में निम्नांकित निष्कर्ष निकाला।

पाठक पी.डी. (2003) शिक्षा मनोविज्ञान सप्तम संस्करण विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

- पाठक पी.डी.एवं जी.एड.डी.त्यागी (1968) शिक्षा के सामान्य सिद्धांत विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
- पी.सी.शुक्ला (1986): ए स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव इफेक्टिवनेस इट्स रिलेशनसिप विद टीचर्स एट्टीयुड जॉब सैटिस्फैक्शन एण्ड मोरल इट ऑफ एजुकेशन रिसर्च **its Edicational Research.**
- पुरोहिता अर्चना (2009): अध्यापक शिक्षा में मूल्यांकन प्रणाली: समीक्षा एवं सुझाव शाह गोवर्द्धनलाल काबरा शिक्षक महाविद्यालय (सी.टी.ई.) जोधपुर 2009 पृष्ठ-142
- पुनीत वशिष्ठ (2005): केन्द्रीय विद्यालयके अध्यापक एवं अध्यापिकाओ की व्यवसायिक संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन अनपब्लिशड एम.एड. थीसिस बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी पृष्ठ-26
- राम सुरेन्द्र (2008) प्राथमिक विद्यालयों में सामान्य मूक बधिर एवं दृष्टिहीन बच्चों के शैक्षिक अपव्यय संबंधी समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन।
- रामकृष्ण नैया डी. (1980) द्वारा एम.बी.बुच थर्ड सर्वे रिसर्च इन एजुकेशन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली पृष्ठ-1250
- सारस्वत ऋतु (2007) राजस्थान में शिक्षा का परिदृश्य कुरुक्षेत्र मासिक पत्रिका ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली वर्षा-53 अंक-11 पृष्ठ 15-17
- सेन (1976) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व के गुणों में सहसंबंध ज्ञात किया तथा उनके सामाजिक आर्थिक स्तर का अध्ययन किया तथा निम्न सुझाव व निष्कर्ष दिये-
- शर्मा आर.ए. (1986) शिक्षा तथा अनुसंधान में परा तथा अपरा सांख्यिकी (प्रथम संस्करण) सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।
- शर्मा आर.ए. (2003) अध्यापक शिक्षा, इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस मेरठ पृष्ठ-201
- शर्मा, राजकुमारी, श्रीवास्तव एस.बी.एन. दुबे. एस.के (2007) भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएं।
- शर्मा, आर.ए. (2005): शिक्षा अनुसंधान मेरठ सूर्या पब्लिकेशन, पृष्ठ-83
- सिंह एन.ए. (1985): एकीकृत तथा परम्परागत विधियों से प्रशिक्षित अध्यापकों का शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति शिक्षण में निपुणता एवं कार्य सम्पादन के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन पी.एच.डी. एजुकेशन बी.एच.यू. 1985 द्वारा एम.बी.बुच: थर्ड सर्वे रिसर्च इन एजुकेशन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली पृष्ठ-986
- सिंह, एस.पी. (2002) ने अपने लघुशोध प्रबंध में "बिलासपुर जिले के सामान्य एवं विकलांग छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि पर उनके उपलब्धि के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन में निम्न निष्कर्ष दिया-
- सिंह, अमिताभ एवं ए.के. सिंह (2008) प्राथमिक स्तर पर शिक्षक व्यवहार (प्रभावी शिक्षण के लिए) एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, रमाशंकर शुक्ल (सम्पादक), शिक्षा चिन्तन कानपुर 6 (21)।
- सिंह, अमिताभ (2011), फैजाबाद मण्डल में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति एवं समस्याओं का एक समीक्षात्मक अध्ययन
- सुमन राहुल (2002) विभिन्न प्रकार के जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन, एम.एड. लघु शोध प्रबन्ध, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज वि.वि., कानपुर।
- तिर्की, अंजना (2014-15) के लघुशोध "जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन।

तिवारी प्रीति (2005) ने अपने लघुशोध सी.बी.एस.ई. एवं राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों की अध्ययन में निष्कर्ष दिया—

तिवारी श्रीकांत (1994) ने बिलासपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 वीं में अध्ययनरत् हरिजन छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा स्तर से उच्च है।

WEBSITES -

<https://cgschool.in/saems>

<https://hi.wikipedia.org>

<https://mpcg.ndtv.in>

<https://shodhganga.in>